

25-5-18

पुत्रावली न्याय आयोग के आदेश-2018 में अदालत सेवा केन्द्रों का लक्ष्य पेश हुई। बार-बार आवाजें दिये जा रहे हैं परन्तु यथाकार उनका पालन नहीं होने में आस में जानकारी की गई एवं पुत्रावली को लोक अदालत की भावना से अखिलोक्त निर्माण कार्य को वादी गण वरवशीस न्यायालय के आधार पर स्वातंत्र्य अधिकार दिये जा रहे हैं पेश किया है जबकि वरवशीस न्यायालय के आधार पर लेण्ड रिकार्ड सुलस 119 से 145 के आधार पर लहसीलदार के बंधे में अखिलोक्त कर वास्तुकरण एवं करवाना आदि के बा जो वादी द्वारा नहीं किया गया है। वरवशीस

दुआ अफला बाद सिद्धे बरखीनामा के
 आधार पर ही मस्तुत किया गया है अन्य
 कोई दूसरा नाम मस्तुत नहीं किया है ऐसे
 मस्तुत में वादीका बाद सिद्ध नहीं होने से
 एवं बरखीनामा के आधार पर खालिफरी
 अधिकार दिया जाना सम्भव नहीं है। वादी
 बरखीनामा का उमल करवाने हेतु
 लक्ष्मीलक्ष्मी के सम्बन्ध नियमानुसार आवेदन
 मस्तुत कर सकता है। अतः वादीका बाद
 नवादिज किया गया पत्रावली कैसल शुमार
 होकर ही नम्बर से कार्य हो। और श मजमे
 आम में सुनाया गया।

लक्ष्मीलक्ष्मी अधिकारी
 सांभरलेक